साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 89 | जौनपुर, मंगलवार, 19 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

## रुकने वाला नहीं बाबा का बुलडोजर

झारखंड, एजेसी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा विभिन्न राज्यों में अधिकारियों द्वारा मनमाने तरीके से तोड़फोड़ के खिलाफ देशव्यापी दिशानिर्देश जारी करने के कुछ दिनों बाद, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को झारखंड में बुलडोजर वाली चेतावनी दे दी। विपक्षी दलों और नागरिक समाज द्वारा इसकी आलोचना की गई, लेकिन इस पद्धति को यूपी के मुख्यमंत्री की पार्टी, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों ने अपनाया। बुलडोजर वाला एक्शन यूपी से ही शुरू हुआ था। उन्होंने झारखंड के जामताड़ा में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व वाले

गठबंधन पर राज्य को लूटने का आरोप लगाते हुए यह टिप्पणी की। आदित्यनाथ ने कहा कि झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने झारखंड में बांग्लादेशी प्रवासियों और रोहिंग्याओं की घुसपैठ को भी बढ़ावा दिया है, जिससे 'बेटी, माटी, रोटी' के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। अब, लूटे गए धन को वापस लेने के लिए बुलडोजर तैयार है।

सीएम योगी ने कहा कि राज महल, साहबगंज व आसपास के क्षेत्र को बांग्लादेशी घुसपैठियों व रोहिंग्या मुसलमानों का अवैध गढ़ बनाने का काम हो रहा है, लेकिन जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व की डबल इंजन सरकार है, वहां घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है।

वहां दंगा, कर्फ्यू और गुंडागर्दी नहीं, बल्कि समृद्धि व सुशासन है। योगी ने कहा कि यूपी में डबल इंजन सरकार होने के कारण वहां कोई घुसपैठ, गोहत्या, बेटी की इज्जत से खिलवाड़ नहीं कर सकता, किसी ने ऐसा किया तो यमराज के घर का टिकट पक्का है।

यह कार्य केवल भाजपा गठ बंधन कर सकती, झामुमो व कांग्रेस नहीं। सीएम योगी ने कहा कि पहले चरण का मतदान बता रहा है कि भाजपा नेतृत्व की एनडीए सरकार दो तिहाई से अधिक सीटों पर विजयी होकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। सीएम ने श्मोदी की गारंटीश गिनाते हुए कहा कि 23 नवंबर को झारखंड में भाजपा सरकार आने के बाद 21 लाख परिवारों को पीएम आवास देंगे।

## मणिपुर को लेकर अमित शाह ने की उच्च स्तरीय बैठक, 5000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की होगी तैनाती

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज राष्ट्रीय राजधानी में वरिष्ठ अधि कारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई और मणिपुर में सुरक्षा स्थिति का आकलन किया। राज्य में चुनौतीपूर्ण स्थिति के कारण केंद्र सरकार मणिपुर में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की अतिरिक्त 50 कंपनियां तैनात करेगी, जिनमें कुल 5,000 से अधिक कर्मी होंगे। बैठक में यह निर्णय लिया गया। शनिवार को इंफाल घाटी के जिलों के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क उठी, क्योंकि भीड़ ने महिलाओं और बच्चों के शवों की बरामदगी को लेकर कई विधायकों

के आवासों पर हमला किया और संपत्ति को नष्ट कर दिया। कल भी शाह ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और गृह मंत्रालय के अधिकारियों को पूर्वोत्तर राज्य में शांति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिया। गृह मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा बलों को मणिपुर में व्यवस्था और शांति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है क्योंकि पिछले कुछ दिनों से राज्य में सुरक्षा स्थिति नाजुक बनी हुई है।

## जंगल व जमीन पूंजीपतियों को सौंप रही भाजपा – राहुल गांधी

रांची, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रांची में कहा झारखंड चुनाव प्रचार के आखिरी दिन प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान राहुल

ने कहा कि यह चुनाव विपक्षी गठबंधन इंडिया तथा भाजपा–राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच विचारधारा की लड़ाई है, हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं जबकि वे इसे कुचलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने वादा किया कि कांग्रेस संस्थाओं, निजी कंपनियों, न्यायपालिका में अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, आदिवासियों का प्रतिनिधित्व जानने के लिए जाति आधारित जनगणना कराएगी। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी झूठ बोलते हैं कि मैं आरक्षण के खिलाफ हूं, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' इसे बढ़ाना चाहता है, 50 प्रतिशत की सीमा हटाना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि मैंने प्रधानमंत्री मोदी से जाति जनगणना कराने और आरक्षण बढ़ाने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा आरक्षण बढ़ाने और जाति जनगणना कराने की हमारी योजनाओं के खिलाफ है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम सरकार गरीबों के लिए चलाना चाहते हैं, अरबपतियों के लिए नहींय भाजपा झारखंड में खदान, जंगल व जमीन पूंजीपतियों को सौंप रही है। मोदी ने देश की संपत्ति चंद अरबपतियों को सौंप दी। राहुल गांधी ने भाजपा के 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' नारे का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि अगर मोदी, शाह, अंबानी 'एक' हैं तो वे 'सेफ' हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर डेढ़ साल से जल रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार भी राज्य का दौरा नहीं किया।

## सवैधानिक जागरूकता पर जोर, संविधान दिवस पर अब बड़ा कदम उठाने जा रही मोदी सरकार

महाराष्ट्र, एजेसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक राष्ट्र, एक चुनाव के दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया है और सुझाव दिया है कि यह प्रणाली भारत की प्रगति के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कहा कि अगर हमें इस देश को आगे ले जाना है तो 5 साल में एक बार चुनाव होना चाहिए और फिर 5 साल तक काम करते रहना चाहिए। मेरा मानना है कि वन नेशन वन इलेक्शन की रिपोर्ट जो अध्यक्षता में तैयार की गई थी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की रिपोर्ट संसद भवन में लायी जाएगी। हमने कहा कि श्एक देश, एक चुनावश जरूरी है क्योंकि हम एक देश हैं, हमें एक साथ वोट करना चाहिए और पूरे देश में एक ही मुद्दा चलना चाहिए

देश। रिजिजू ने कहा कि 25 नवंबर को संसद की बैठक होने वाली है। कई बिल आने वाले हैं और मेरा मानना है कि वन नेशन, वन इलेक्शन जैसे मुद्दे भी आने वाले हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ लोग संविधान तो रखते हैं लेकिन संविधान की मूल बातें और महत्व नहीं समझते। मैं चाहता हूं कि हर भारतीय को संविधान के बारे में पता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम संविधान सदन में संविधान दिवस मनाने जा रहे हैं। हम पुस्तिकाएँ छाप रहे हैं जिन्हें आपके साथ साझा किया जाएगा। किरेन रिजिजू ने दावा किया कि हम एक किताब ला रहे हैं जिसमें तस्वीरें होंगी। संविधान के हर अध्याय, हर हिस्से में कुछ तस्वीरें होंगी। संविधान की एक छोटी पुस्तिका है

जिसमें संविधान की बुनियादी जानकारी होगी। एक और थोड़ी बड़ी पुस्तक होगी जिसमें भारतीय संविधान के निर्माण और उसकी गौरवशाली यात्रा का वर्णन होगा। हम बताएंगे कि संविधान में संशोधन कब हुए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत कार्यक्रम हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एक विकसित राष्ट्र बनने में सक्षम होने के लिए हमें युवाओं को इसमें शामिल करना होगा। आज मैं इस कार्यक्रम के लिए अपने अल्मा मेटर हंसराज कॉलेज आया हूं। 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें युवाओं की भागीदारी से जुड़ना होगा।

## संक्षिप्त खबरें

### दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बनीं भाजपा की मैनिफेसटो एवं आरोप पत्र समितियों की बैठकें सम्पन्न

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव से जुड़ी दिल्ली भाजपा की मैनिफेसटो समिति की पहली बैठक संयोजक सांसद रामवीर सिंह बिधूडी के निवास पर सम्पन्न हुई जिसमे राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने अपना मार्गदर्शन एवं विभिन्न प्रभार राज्यों का मैनिफेसटो अनुभव सांझा किया। तीन घंटे से अधिक चली बैठक में मैनिफेसटो समिति सदस्यों डा. हर्षवर्धन, विजय गोयल, सरदार अरविंदर सिंह लवली, सतीश उपाध्याय, श्रीमति मीनाक्षी लेखी, प्रवेश साहिब सिंह, अजय महावर, प्रवीण शंकर कपूर, राजकुमार फुलवारिया, सुनीतू डबास एवं अभिषेक टंडन ने समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े मुद्दे रखे और सभी ने उन पर चर्चा कर मुद्दों की शार्ट लिस्टिंग का कार्य शुरू किया।

### दिल्ली में वायु प्रदूषण पर जिम्मेदारी से भाग रहा केंद्र – गोपाल राय

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर सियासत भी तेज है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भाजपा पर वार किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण के गंभीर होने के चलते चिकित्सा आपातस्थिति पैदा हो गयी है लेकिन भाजपा नीत केंद्र अपनी जिम्मेदारी से भाग रहा है। राय ने कहा कि धुंध को बस कृत्रिम वर्षा या हवा से दूर किया जा सकता है, केंद्र ने इस पर दिल्ली सरकार के अनुरोध पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। केंद्र ने दिल्ली– एनसीआर में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए। आप नेता ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को प्रदूषण से संबंधित चिकित्सा आपात स्थिति से निपटने के लिए लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में विशेष कार्यबल बनाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों से 10वीं और 12 वीं कक्षाओं के विद्यार्थियों के बीच मास्क बांटने को कहा गया है।

## बालाघाट में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में 'हॉक फोर्स' का एक कांस्टेबल घायल – सीएम मोहन

भोपाल, एजेसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि बालाघाट जिले में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में 'हॉक फोर्स' का एक कांस्टेबल घायल हो गया। घटना का समय बताए बिना यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बालाघाट जिले के दुगलई–कोद्दापर जंगल क्षेत्र की पहाड़ियों में नक्सल रोधी अभियान के तहत तलाशी के दौरान हॉक फोर्स आरक्षक शिव कुमार शर्मा जवाबी कार्रवाई में नक्सलियों की गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए गोंदिया (पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र) रेफर कर दिया गया है। उनके इलाज का सारा व्यय सरकार उठाएगी। यादव ने कहा, ''मध्यप्रदेश शासन नक्सलवाद के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध है। इस घटना के बाद पुलिस की 10 सशस्त्र टीमें उक्त जंगल क्षेत्र में तलाशी अभियान संचालित कर रही हैं। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई और नक्सल वादियों पर कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।'' मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने शर्मा का इलाज कर रहे डॉक्टर से बात की है और जरूरत पड़ने पर घायल कांस्टेबल को किसी बड़े चिकित्सा केंद्र स्थानांतरित किया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में, मध्यप्रदेश सरकार ने महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से सशस्त्र नक्सलियों के आने की आशंका को देखते हुए नक्सल प्रभावित बालाघाट क्षेत्र में तैनाती के लिए केंद्र से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की दो अतिरिक्त बटालियन भेजने का अनुरोध किया था।

## सत्ता के लिए कांग्रेस की गोद में जा बैठे उद्धव ठाकरे - जेपी नड्डा

महाराष्ट्र, एजेसी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नवी मुंबई में एक चुनावी रैली में कहा कि हम ऐसी सरकार दे रहे हैं जो लोगों के प्रति जवाबदेह है। उन्होंने कहा कि आर्थिक नीति के मोर्चे पर दुनिया को प्रधानमंत्री मोदी में उम्मीद की किरण नजर आ रही है। नड्डा ने कहा कि दस साल पहले भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की 12वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, लेकिन प्रधानमंत्री ने इसे पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महायुति और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने राजनीति की एक नयी संस्कृति और परिगढ़ी है। जे पी नड्डा ने कहा कि आज हमारी सरकार, जो कहा था, वो किया है और जो नहीं कहा था, वो भी किया है ऐसी राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को 5वें नंबर पर पहुंचाया है। आज भारत, ब्रिटेन को पीछे छोड़ दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आप महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनाइए, मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। नड्डा ने कहा कि महायुति, एक उगता सूरज है, जो महाराष्ट्र को रोशनी देगा, जबकि महाअघाड़ी महाराष्ट्र को अंधेरे में धकेल देने वाला है। महायुति, महाराष्ट्र के विकास के लिए कृत संकल्पित है, जबकि महाअघाड़ी आपकी तकलीफों को और बढ़ाएगा। विपक्ष पर वार करते हुए नड्डा ने कहा कि आज राहुल गांधी, संविधान की पुस्तक लेकर घूमते हैं। उन्होंने संविधान की पुस्तक को पढ़ा नहीं है, बस लेकर घूमते हैं। क्योंकि बाबा साहेब ने संविधान में लिखा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है, लेकिन कांग्रेस पार्टी आज कर्नाटक में प्राइवेट ठेकेदारों को टेंडर देने में भी मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण दे रही है। उन्होंने दावा किया कि बाला साहब ठाकरे ने कहा था कि अपनी पार्टी खत्म कर दूंगा, लेकिन कांग्रेस के साथ समझौता नहीं करूंगा, लेकिन आज उद्धव ठाकरे सत्ता के लिए कांग्रेस की गोद में जा बैठे हैं। बाला साहब ठाकरे के विचारों को एकनाथ शिंदे जी ने आगे बढ़ाया है।

## भाजपा के झूठे प्रचार के बीच अब कांग्रेस की गारंटी लागू की गई

कर्नाटक, एजेसी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर महाराष्ट्र में गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में अपने सभी चुनावी वादों को लागू किया है। शिवकुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह आरोप लगाए। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) वाला महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगा और महाराष्ट्र को एक बेहतर सरकार देगा। शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने अपनी पांच प्रमुख चुनावी गारंटियां लागू की हैं, जिनमें गृहणियों को 3,000 रुपये मासिक सहायता, किसानों के लिए तीन लाख रुपये तक की ऋण माफी, प्रति परिवार 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगार युवाओं के लिए 4,000 रुपये मासिक भत्ता और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शामिल हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि धनराशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में जमा की जा रही है। शिवकुमार ने अगस्त में महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने की घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा, ''आसमान छूती महंगाई ने नागरिकों पर भारी बोझ डाला है। उन्होंने इसके लिए धन का दुरुपयोग भी किया। एक नागरिक के तौर पर मुझे शर्म आती है।

## राहुल गांधी को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता – नितिन गडकरी

महाराष्ट्र, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि किसी को भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र के लोग 20 नवंबर के राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन पर भरोसा जताएंगे। गडकरी ने कहा कि जिस तरह से राहुल गांधी बोलते हैं, कोई भी उन्हें गंभीरता से नहीं लेता।

मुझे लगता है कि लोगों को उनकी टिप्पणियों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। पीएम मोदी के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन की तरह स्मृति हानि से पीड़ित होने के गांधी के आरोपों पर गडकरी ने कहा कि कांग्रेस नेता गैर –जिम्मेदाराना तरीके से बोलते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान निराशाजनक प्रदर्शन के बाद महायुति गठबंधन के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर गडकरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को बड़े पैमाने पर विपक्ष द्वारा भ्रमित किया गया था। अगर हम 400 से अधिक सीटें जीतते हैं, तो हम डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान में संशोधन करेंगे। गडकरी ने कहा कि संविधान बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। हम न तो ऐसा करेंगे और न ही दूसरों को करने देंगे। परियोजनाएं शुरू करने, गांवों की उपेक्षा करने तथा सत्ता में रहने के दौरान देश को वास्तविक विकास से वंचित रखने का आरोप लगाया।

## आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटा देंगे - राहुल गांधी

मुंबई, एजेसी। महाराष्ट्र में दो दिन बाद विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोगों से आरक्षण पर 50 फीसदी की सीमा हटाने और देश में जाति जनगणना कराने का वादा किया। उन्होंने जाति जनगणना को सबसे बड़ा मुद्दा बताया। इसके साथ ही उन्होंने 20 नवंबर के विधानसभा चुनाव को विचारधाराओं की लड़ाई बताया। कांग्रेस नेता ने बताया कि फॉक्सकॉन और एयरबस समेत सात लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं महाराष्ट्र से गुजरात स्थानांतरित कर दी गईं, जिससे राज्य के युवाओं को नौकरियों से हाथ धोना पड़ा।

जाति जनगणना को बताया बड़ा मुद्दा

विधानसभा चुनाव से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा, ष्हमारे सामने जाति जनगणना एक बड़ा मुद्दा है और हम इसे

कराएंगे। यह हमारा केंद्रीय स्तंभ है। उन्होंने आगे कहा, राज्य में महाविकास अघाड़ी की सरकार जनता के हितों की रक्षा करेगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा, मुंबई में धारावी पुनर्विकास योजना में एक व्यक्ति की मदद करने के लिए पूरी राजनीतिक मशीनरी को झोंक दिया गया।

भाजपा पर लगाए आरोप

राहुल गांधी ने भाजपा के एक है तो सेफ है नारे का मजाक उड़ाया। उन्होंने भाजपा पर महाराष्ट्र के लोगों के ऊपर उद्योगपति गौतम अदाणी के हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी और गौतम अदाणी का एक पोस्टर निकाला और कहा, ष्जब तक वे एक साथ हैं तब तक वे सुरक्षित हैं।ष एक दूसरे पोस्टर में उन्होंने अदाणी समूह की धारावी पुनर्विकास परियोजना का मैप दिखाते हुए कहा कि यह मुंबई की संपत्ति का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा, धारावी पुनर्विकास अनुचित है। यह केवल एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। हमें इसका अंदाजा नहीं कि टेंडर कैसे दिए जा रहे हैं। केवल एक ही व्यक्ति को देश के सभी बंदरगाह, एयरपोर्ट और पैसे दिए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में दो दिन बाद विधानसभा चुनाव

बता दें कि 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होंगे, जबकि विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और अजीत पवार की एनसीपी से मिलकर बनी महायुति सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है, जबकि शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस की विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) इसे सत्ता से बेदखल करने के प्रयास में है।

# संपादकीय

## सुविधा की पर्यावरणीय लागत

विश्वविद्यालय परिसर में सुबह की सैर के दौरान, जहाँ मैं एक स्कॉलर–इन–रेजिडेंस हूँ, मैंने शुरू में हर जगह कचरे के ढेर देखे। यह दुनिया का सबसे पुराना जीवित शहर है, जिसका प्रतिनिधित्व हमारे समय के सबसे बड़े नेता करते हैंय इसलिए ढेर निराशाजनक थे। मीडिया ने हमें यह समझाने के लिए बहुत मेहनत की कि शहर साफ हो गया है, जिससे मेरी निराशा और बढ़ गई।हालांकि, अगले कुछ दिनों में, मैंने देखा कि सफाई कर्मचारी सड़क किनारे जमा कचरे से अपने ट्रक भर रहे थे। ट्रक कुछ ही समय में भर जाते थे, जिससे सड़कों पर बचा हुआ कचरा रह जाता था। लगातार निरीक्षण करने से मुझे एहसास हुआ कि उठाए जाने वाले और संसाधित किए जाने वाले कचरे की मात्रा की एक सीमा होती है। एक सुबह, मैं यह देखने के लिए एकत्रित किए जा रहे कचरे के पास खड़ा था कि इसमें क्या योगदान दे रहा है। भारत भर में मेरी यात्राओं ने मुझे बताया कि पानी की बोतलें और चिप्स के पैकेट सबसे बड़े योगदानकर्ता हैं। इसलिए, मैंने उन्हें ढूँढ़ा। वे बहुत कम प्रतिशत में मौजूद थे। सबसे बड़े दोषी डिस्पोजेबल कटलरी थे, खासकर डिलीवरी पैकेजिंग के साथ भोजन पहुँचाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली प्लास्टिक ट्रे। इनमें से ढेर–शायद छात्रावासों और आयोजित कार्यक्रमों से–हर दिन जुड़ते जा रहे हैं। सबसे निराशाजनक बात यह थी कि ये प्लास्टिक ट्रे 60–70 प्रतिशत भरी हुई थीं। हाँ, ऑर्डर किया गया भोजन मानक मात्रा में, मानक प्लेट में, बिना सोचे–समझे पकाया और पैक किया हुआ होता है। मानक मूल्य निर्धारण के युग में उपभोक्ता की भूख की कोई भूमिका नहीं है। ऐसे देश में जहाँ हमारे शास्त्र हमें अन्न या भोजन को ब्रह्म या परम देवता बताते हैं, वहाँ कूड़े के ढेर में इतना पका हुआ भोजन देखना दुखद है। बचपन में हमें भोजन और हमारी प्लेटों में भोजन डालने वाले हर व्यक्ति का सम्मान करना सिखाया गया थाय लेकिन लगता है कि हम खाने के शौकीनों और डिलीवरी ऐप के युद्ध के मैदान में यह सब खो चुके हैं। फिर हर सड़क किनारे चाय की दुकान, खाने की दुकान और यहाँ तक कि घर पर होने वाली सभाओं में डिस्पोजेबल गिलास होते हैं। इन पतले प्लास्टिक के गिलासों की सुविधा और कम कीमत के कारण ये सर्वव्यापी हैं। खाद्य विक्रेता अब केवल डिस्पोजेबल बर्तनों का उपयोग करते हैं। जब भी मैं रिफिल मांगता हूँ, तो वे नया दे देते हैं। दोबारा इस्तेमाल करने के लिए कहने पर वे हंसते हैं और कहते हैं, "नया इस्तेमाल करो– यह मेरी कीमत पर है, तुम्हारी कीमत पर नहीं।" मैंने अपने दोस्तों और पड़ोसियों को समझाने की कोशिश की है। जवाब हैरू "हां, मैं समझता हूं, लेकिन यह बहुत सुविधाजनक है।" यह गलत ध ाारणा कि प्लास्टिक के कप और तथाकथित रिसाइकिल करने योग्य प्लेटों में प्लास्टिक नहीं होता, अपनी भूमिका निभाता है। मैं कुछ ग्रीन इन्फ्लुएंसरों को जागरूकता पैदा करने की कोशिश करते हुए देखता हूं, लेकिन इन्हें बनाने वाला लघु उद्योग इन सभी अभियानों से बहुत आगे है। उनकी पहुंच बहुत बड़ी है और निश्चित रूप से, उनकी मांग भी बहुत अधिक है। पूरे ग्रामीण क्षेत्र में, यह खतरा गुटखा और खैनी के पाउच के रूप में सामने आता है। हमारी सुविधा की पर्यावरणीय और स्वच्छता लागत बढ़ती जा रही है। मेरी राय में, अपशिष्ट प्रबंधन या पुनर्चक्रण ही एकमात्र समाधान नहीं है जिसकी हमें आवश्यकता है। हमें अपने द्वारा उत्पन्न होने वाले कचरे को कम करने के लिए सक्रिय रूप से काम करने की आवश्यकता है। हां, कचरे को अलग–अलग करने से कुछ हद तक मदद मिल सकती हैय लेकिन ईमानदारी से कहूं तो इसे शायद ही लागू किया जा रहा है क्योंकि एक व्यक्ति द्वारा समूह में कचरा मिलाना भी इन प्रयासों को पटरी से उतार सकता है। हमें, नागरिकों के रूप में, अपनी खपत को इस तरह से कम करने की आवश्यकता है कि प्रति व्यक्ति उत्पन्न होने वाला कुल अपशिष्ट कम हो। क्या हमें हर छोटी चीज को अंतिम क्षण में ऑर्डर करना चाहिए, क्योंकि कोई 10 मिनट में डिलीवरी करने को तैयार है? क्या हमें बड़ी मात्रा में भोजन ऑर्डर करना चाहिए, जबकि औसत खपत अक्सर एक मानक ट्रे से 50 प्रतिशत होती है? क्या रेस्तरां छोटे हिस्से डिजाइन कर सकते हैं, जिसमें अधिक भूख वाले लोगों के लिए अधिक उपलब्ध कराने की सुविधा हो? क्या हम पूरे खाद्य श्रृंखला के बारे में सोच सकते हैं जो भोजन को हमारे पास लाता है और भोजन का सम्मान करता है? मुझे पता है कि कई गैर सरकारी संगठन हैं जो रेस्तरां से बचे हुए भोजन को फिर से वितरित करते हैं। यहां तक घ्कि वे भोजन ट्रे में आधे खाए हुए बचे हुए भोजन के साथ कुछ नहीं कर सकते। आवारा जानवर उन्हें खाते हैं, लेकिन वे सड़क पर कचरा फैलाते हुए प्लास्टिक भी खाते हैं। अपनी यात्राओं के दौरान, मैं अक्सर टैक्सी ड्राइवरों को अपनी खिड़की से बाहर थूकते हुए देखता हूं, जिससे यात्रियों को बहुत असुविधा होती है। वे रैपर को फेंकने से पहले कभी दो बार नहीं सोचते। आने वाले पर्यटकों के लिए सूक्ष्म संदेश यह है कि, इस जगह पर, कहीं भी कचरा फेंकना ठीक है। अगर वे जिम्मेदारी से निपटान करें, तो कई आगंतुक भी ऐसा करेंगे। यही कारण है कि हम भारतीय सिंगापुर और दुबई जैसी जगहों पर खुद को बेहतर तरीके से पेश करते हैं। व्यवहार, अच्छा या बुरा, आसानी से प्रभावित होता है। इसका बीज स्थानीय लोगों से आता है। सड़कों पर हमें जो डिलीवरी बॉय दिखाई देते हैं, वे न केवल ट्रैफिक की समस्याओं को बढ़ा रहे हैं।

# जमीनी स्तर पर लोकतंत्र, एक ऐसा विचार जिसका समय आ गया

आदित्य

भारतीय नेताओं के लिए यह घोषणा करना आम बात हो गई है कि भारत न केवल दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि लोकतंत्र की जननी भी है। वास्तव में, यह था, लेकिन उन कारणों से नहीं, जिनका वे हवाला देते हैं जैसे कि भारत में कहीं और से पहले गैर–वंशानुगत शासकों का अस्तित्व था। यह बिल्कुल इसके विपरीत था। यह सही मायने में श्लोकतंत्रश था, भले ही अंग्रेजों के आगमन तक राजाओं और सम्राटों द्वारा शासित रहा हो। ऐसा मुख्य रूप से इसलिए था क्योंकि जमीनी स्तर पर प्रामाणिक शासन – दक्षिण में सभा और महासभा नामक निकायों के माध्यम से, और उत्तर में श्रीम, निगम और निगम–सबक – लगभग पूरी तरह से लोगों के आदेश और नियंत्रण में था। फिर से, शीर्ष पर राजा या सम्राट होने के बावजूद एक राज्य लोकतंत्र हो सकता है। आज की दुनिया में हमारे पास काफी हैं। और साथ ही कई देश जिनके पास गैर–वंशानुगत या श्निर्वाचितश नेता हैं, वे किसी भी तरह से लोकतंत्र नहीं हैं। लोकतंत्र की असली परीक्षा ग्रीक में इसका अर्थ है – लोगों द्वारा शासन, जहाँ यह सबसे अधिक मायने रखता हैरू दैनिक जीवन। और प्राचीन भारतीय मॉडल ने यह सुनिश्चित किया। भारत में, राजा राज्य का मुखिया था, लेकिन समाज का नहीं। सामाजिक पदानुक्रम में उसका स्थान था, लेकिन वह सर्वोच्च स्थान नहीं था। जहाँ तक दैनिक जीवन का सवाल है, राज्य और लोगों के दैनिक जीवन के सामान्य हितों के बीच संपर्क के बिंदु वास्तव में बहुत कम थे। दूसरे शब्दों में, राजतंत्र और लोकतंत्र एक दूसरे को मजबूत कर रहे थे, टकरा नहीं रहे थे। जमीनी स्तर या स्थानीय निकाय व्यावहारिक रूप से चरित्र में स्वतंत्र या स्वतंत्र थेय जैसे, एक पूर्व ब्रिटिश गवर्नर–जनरल के शब्दों में अपने आप में एक अलग छोटा राज्य। वे अपने निर्दिष्ट क्षेत्रों के प्रशासन के लिए पूरी तरह से प्रभारी थे और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए आवश्यक राजस्व जुटाने के लिए पूरी तरह से सशक्त थे। साथ ही, राजा को स्थानीय निकायों में अनुशासन और जवाबदेही लागू करने के लिए आवश्यक होने पर हस्तक्षेप करने और न्याय करने का अधिकार था। विधानसभाओं या पीड़ित पक्षों के हित में शाही शक्ति का इस्तेमाल करने और उसका प्रयोग करने के कई दिलचस्प मामलों का रिकॉर्ड है। राजाओं ने भी इसे एक तरह के सुरक्षा वाल्व के रूप में लाभकारी पाया। आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए जन भावना और लोकप्रिय भागीदारी को संगठित करने में वे बहुत उपयोगी थे। ऐसे समय में, हर कोई मदद के लिए आगे आता था और यहाँ तक कि मंदिर भी अपने आभूषणों को दान करने के लिए तैयार रहते थे। आध ुनिक भारत में इस तरह की भावना की कमी है। इस तरह के जमीनी स्तर के शासन और इसकी 'संरचना की समृद्धि', जैसा कि रवींद्रनाथ टैगोर ने बताया, हमारे ग्रामीण समाज को बाहरी मदद पर निर्भरता के बिना काम करने और बाहरी आक्रमण से अप्रभावित रहने में सक्षम बनाती है। इसने एक टिप्पणीकार को 'एक तरह का नूह का जहाज' कहा और दूसरे ने कहा कि इसने इसे 'किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक धार्मिक और राजनीतिक क्रांतियों' से अप्रभावित रहने में सक्षम बनाया, जैसे 'ज्वार के बढ़ने और गिरने से चट्टान'। स्वतंत्रता के बाद, हमारे नेताओं ने इस तरह के लोकतंत्र से मुंह मोड़ लिया और संप्रभुता की वेस्टफेलियन शैली और शासन की वेस्टमिंस्टर प्रणाली को चुना। इसका मतलब यह हुआ कि राज्य सर्वशक्तिमान बन गया और समाज ने अपनी सह–समान स्थिति खो दी। हमारे संविधान द्वारा अनिवार्य व्यावहारिक शासन – जो वास्तव में एकात्मक और संघीय प्रणालियों का मिश्रण है – ने राज्य को सर्वोच्च शक्ति बना दिया और केंद्र और राज्यों के बीच सभी राजनीतिक शक्ति को केंद्रित कर दिया। स्थानीय स्वशासन की पहचान एक गाँव से की गई, जिसे अंधविश्वास की बदबू और पिछड़ेपन का प्रतीक के रूप में उपहास किया गया। इसने वास्तविक जमीनी स्तर के शासन को बर्बाद कर दिया, जिसके अस्तित्व ने भारत को लोकतंत्र की जननी के रूप में सम्मानित किया। स्थानीय शासन के बारे में आधुनिक भारत की गंभीरता की कमी इस तथ्य से स्पष्ट रूप से दिखाई देती है कि इसके संविधान ने इस तरह के सशक्तिकरण को एक निर्देशक सिद्धांतों तक सीमित कर दिया, जो एक आदर्श जैसा कुछ है जो वास्तविक नहीं है।.. निचली बात यह हैरू यह केवल संवैधानिक रूप से सशक्त नीचे से ऊपर शासन के माध्यम से है कि भारत को प्रभावी ढंग से शासित किया जा सकता हैय वास्तव में, यह एकमात्र तरीका है जिससे इसके भागों का योग इसके पूरे से अधिक हो सकता है। राजाओं द्वारा अतीत में निभाई गई भूमिकाएँ – ठोस लेकिन सहायकय हस्तक्षेप न करने वाला बल्कि सतर्क प्रहरी – अब संघीय और राज्य सरकारों की भूमिका हो सकती है। नीचे से ऊपर की ओर शासन की ओर बदलाव राजीव गांधी के अब तक के प्रसिद्ध बयान (1985) का समाधान हो सकता है, अर्थात्, कल्याण और गरीबी उन्मूलन के लिए लक्षित प्रत्येक रुपये में से केवल एक अंश, 15 पैसे, इच्छित लाभार्थी तक पहुँचते हैं। यह आंकड़ा अलग–अलग हो सकता है और प्रौद्योगिकी ने इसमें अंतर ला दिया है, लेकिन यह सिंड्रोम बना हुआ है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुद्दा केवल लीकेज और भ्रष्टाचार नहीं हैय अधिक मौलिक रूप से यह नीति–निर्माण और परियोजना निर्माण की प्रक्रिया है। यह पूरी तरह से लोगों के निकट संस्थानों के हाथों में होना चाहिए, जो पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित करेगा। ऐसा शासन सामाजिक न्याय और लक्षित लक्ष्यों की दिशा में भी एक लंबा रास्ता तय करेगा।

# वायु प्रदूषण से लड़ने के लिए सीएंडडी अपशिष्ट का बेहतर प्रबंधन करें

विनोद

भारत के निर्माण उद्योग में तेजी के साथ, देश के शहरों में निर्माण और विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिलेगी। सीएंडडी अपशिष्ट प्रवाह में यह अपेक्षित वृद्धि और भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि यह वायु प्रदूषण की समस्या को और बढ़ा देगा जिससे भारतीय शहर जूझ रहे हैं। "मौजूदा चालू सीएंडडी अपशिष्ट क्षेत्र के आने वाले वर्षों में दोगुने से अधिक होने का अनुमान है। यदि पूरी तरह से पुनर्प्राप्त और पुनर्चक्रित नहीं किया गया, तो निर्माण अपशिष्ट हमारे शहरों को अवरुद्ध करने वाला एक प्रमुख प्रदूषक बन सकता है। हालांकि शहरों में सीएंडडी प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रगतिशील कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन अकुशल अपशिष्ट प्रबंधन और बाजार संबंधों के कारण इनका कम उपयोग और अव्यवहारिक होने की शिकायतों के कारण ये प्रभावित हुए हैं," सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) द्वारा आज यहां जारी किए गए एक नए अध्ययन में कहा गया है। मलबा दुविधा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना – जैसा कि अध्ययन का शीर्षक है – भारत भर में फैले 16 सीएंडडी अपशिष्ट पुनर्चक्रण संयंत्रों की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत करता है। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय हित धारक सम्मेलन में रिपोर्ट जारी करते हुए, सीएसई की कार्यकारी निदेशक अनुमिता रॉय चौधरी ने कहा केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत 131 गैर–प्राप्ति शहरों (एनएसी) की सभी स्वच्छ वायु कार्य योजनाओं के लिए सीएंडडी अपशिष्ट प्रबंधन और निर्माण धूल शमन अभिन्न अंग हैं। शहरों को अपशिष्ट को संसाधित करने के लिए पुनर्चक्रण संयंत्र स्थापित करने का आदेश दिया गया है ताकि पुनर्चक्रित समुच्चय, पेवर ब्लॉक आदि जैसे मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जा सकें, जिन्हें निर्माण उद्योग में संसाधन के रूप में वापस लाया जा सकता है। रॉयचौधरी ने कहा– सीएंडडी अपशिष्ट का पुनर्चक्रण संसाधनों की पूरी वसूली को सक्षम बनाता है और अपशिष्ट में आर्थिक मूल्य जोड़ता है, आजीविका और रोजगार पैदा करता है। लेकिन शहरों में कमजोर अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली और निर्माण एजेंसियों द्वारा पुनर्चक्रित उत्पादों की खराब बाजार मांग के कारण उनका उपयोग और आर्थिक व्यवहार्यता समझौता कर रही है। सीएसई अध्ययन भारत में स्थापित किए जा रहे 35 से अधिक नए सीएंडडी अपशिष्ट पुनर्चक्रण संयंत्रों में से, सीएसई ने 16 संयंत्रों के प्रदर्शन की जांच और मूल्यांकन किया है ताकि मौजूदा कमियों और उन्हें स्केलेबल और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक नीतिगत मार्गों को समझा जा सके। क्षेत्रीय जांच ने सीएंडडी पुनर्चक्रण संयंत्र में लागू की जाने वाली बहुआयामी प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों, अपशिष्ट से उत्पादित उत्पाद श्रृंखला, संयंत्रों को अपशिष्ट फीड को बनाए रखने में अपशिष्ट प्रबंधन की प्रभावशीलता, पुनर्चक्रित उत्पादों की बाजार में मांग और इन संयंत्रों की समग्र आर्थिक व्यवहार्यता का मूल्यांकन किया है। सीएसई के संधारणीय भवन और आवास कार्यक्रम के निदेशक रजनीश सरीन कहते हैं। हमने पाया है कि भारी निवेश करने के बावजूद, अधिकांश पुनर्चक्रण संयंत्र आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे हैं। ये संयंत्र नगर पालिकाओं के समर्थन पर बहुत अधिक निर्भर हैं। एक व्यवहार्य वित्तीय मॉडल और बाजार एकीकरण के बिना, ऐसी सुविधाओं का विस्तार करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा और यह समग्र अपशिष्ट प्रबंध ान पारिस्थितिकी तंत्र को और कमजोर कर सकता है। सीएंडडी अपशिष्ट न केवल एक पर्यावर णीय खतरा है यह शहरों के लिए दक्षता में बाधा है। राष्ट्रीय सीपीडब्ल्यूडी अकादमी के एडीजी (प्रशिक्षण एवं अनुसंधान) उज्ज्वल मित्रा ने कहारू "पुनर्निर्माण एक नई वास्तविकता है। पुनर्निर्माण से उत्पन्न सीएंडडी अपशिष्ट निर्माण पोर्टफोलियो के 7 प्रतिशत से बढ़कर 15–16 प्रतिशत होने की उम्मीद है। यदि इसे ठीक से नहीं संभाला गया तो इससे भूमि और ऊर्जा पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा।" अगले 20 वर्षों में भारत का निर्माण क्षेत्र दोगुना से अधिक होने का अनुमान है। रेत और बजरी की बहुत अधिक मांग है, जो खनन के पर्यावरणीय पदचिह्नों को बढ़ाती है। इस बढ़ती मांग के कारण पिछले 20 वर्षों में रेत के व्यापार में छह गुना वृद्धि हुई है, और कटाव, जैव विविधता की हानि और जल लवणता जैसे पर्यावरणीय मुद्दे भी सामने आए हैं। परिणाम स्वरूप, रेत का आयात बढ़ गया है। सरीन कहते हैंरू "सीएंडडी अपशिष्ट का पुनर्चक्रण कुंवारी सामग्री की मांग को कम करने और प्रतिस्थापन करने में मदद कर सकता है क्योंकि लगभग 80–90 प्रतिशत सीएंडडी अपशिष्ट को भूनिर्माण, भूनिर्माण और सिविल इंजीनियरिंग परियोजनाओं जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए पुनरू उपयोग किया जा सकता है। रिसाइकिल किए गए समुच्चयों का उपयोग करने से वर्जिन सामग्रियों के उपयोग की तुलना में 40 प्रतिशत कम ब्व्2 उत्सर्जन होता है – ऐसा इसलिए है क्योंकि यह निहित ऊर्जा को कम करने और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद करता है।" चिंता के क्षेत्र नगरपालिकाओं के पास शहर में अवैध रूप से डंप किए गए कचरे का भुगतान करने के लिए पर्याप्त राजस्व नहीं है – वे अनौपचारिक और गुमनाम कचरा उत्पादकों से लागत वसूल करने में असमर्थ हैं। इसके परिणाम स्वरूप अक्सर नगर पालिकाओं ने टिपिंग शुल्क का भुगतान करने से बचने के लिए सी–डी रिसाइकिलिंग प्लांट को कम पूंजी दी है। प्लांट संचालकों को अक्सर अकुशल अपशिष्ट संग्रह और सिस्टम में लीकेज के कारण रिसाइकिलिंग प्लांट के लिए फीड के रूप में पर्याप्त कचरा नहीं मिलता है – वे संभावित राजस्व खो देते हैं जो रिसाइकिल किए गए उत्पादों की बिक्री से उत्पन्न हो सकता है।इससे जीविका के लिए नगरपालिका द्वारा भुगतान किए जाने वाले टिपिंग शुल्क पर उनकी निर्भरता बढ़ जाती है। यह मॉडल टिकाऊ नहीं है, और अधिक सी–डी रिसाइ किलिंग प्लांट स्थापित होने से हतोत्साहित करता है।

# पश्चिम में 'खालिस्तानी' शरारतों से लड़ें

संजय

पाकिस्तान के दिवंगत सैन्य तानाशाह जनरल जिया–उल–हक ने अपने देश को जो अमर और भयावह विरासत दी, उनमें से एक भारत के रणनीतिक सीमावर्ती राज्यों पंजाब और जम्मू–कश्मीर में अशांति फैलाने की उनकी "के–2" रणनीति थी। "भारत को हजारों घावों से लहूलुहान करना" इस दुष्ट नीति को लागू करने का साधन बनाया गया था। पंजाब में 1980 के दशक में यह कुछ हद तक सफल भी रहा, इससे इनकार नहीं किया जा सकता, जब तक कि इसे देशभक्त सिखों ने खुद ही खत्म नहीं कर दिया। जम्मू–कश्मीर में, पाकिस्तान की शरारतें अभी भी जारी हैं, जहाँ आतंकवाद कभी–कभी अपना भयानक रूप दिखा रहा है, हालाँकि पिछले कुछ वर्षों में, निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों दोनों के लिए घटनाओं और हताहतों की संख्या में उल्लेखनीय कमी देखी गई है। आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं में फिर से उछाल का श्रेय श्रीनगर में सफल विधानसभा चुनावों के बाद नई सरकार को दिया जा सकता है, जो पाकिस्तान को पसंद नहीं आया होगा। यह तो तय है कि पाकिस्तान जम्मू–कश्मीर में माहौल, शांति और प्रगति को बिगाड़ने की कोशिशें जारी रखेगा। हाल ही में, कुछ पश्चिमी देशों, खासकर कनाडा में खालिस्तानी शरारतें फिर से उभरी हैं, जहां पिछले कुछ महीनों से खालिस्तानी समर्थक भारत विरोधी और हिंदू विरोधी गतिविधियों में खुलकर सामने आ रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र के ब्रैम्पटन में एक हिंदू मंदिर में शांतिपूर्ण पूजा करने वालों पर खालिस्तानी गुंडों ने हमला किया था, जबकि रविवार को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में भी टकराव की स्थिति बनते–बनते बची। भारत द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए सिख फॉर जस्टिस नामक आतंकवादी संगठन के गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कथित तौर पर इन दोनों हमलों की साजिश रची थी। कनाडा की पुलिस पर इन हिंसक भीड़ के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया गया है क्योंकि वह उग्र खालिस्तानी समर्थकों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही। लेकिन भारत और कनाडा के बीच संबंधों में आई गिरावट को देखने वालों के लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि भारत विरोधी प्रध ाानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की अगुआई

वाली कनाडाई सरकार ने अभी तक उन "खालिस्तानी" भीड़ की निंदा नहीं की है, जो पिछले कुछ सालों में कनाडा के हिंदुओं के खिलाफ ऐसी हरकतें कर रही हैं और कनाडा में पूजा स्थलों को अपवित्र कर रही हैं। यहाँ तक कि कनाडा में भारतीय राजनयिकों और उनके परिवारों को भी गंभीर धमकियों का सामना करना पड़ा है। पिछले कुछ महीनों में, इन "खालिस्तानी" कट्टरपंथियों ने भारतीय ध्वज को फाड़ने और दिवंगत प्रध ाानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारों की प्रशंसा करने की हिम्मत दिखाई है। जैसा कि सर्वविदित है, श्री ट्रूडो, जो अगले साल होने वाले कनाडा के आम चुनाव में लगभग निश्चित हार का सामना कर रहे हैं, अपनी वोट बैंक रणनीति के तहत "खालिस्तानियों" को खुश करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इस प्रकार, जब हम भारत में कभी–कभी अपने राजनेताओं पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाते हैं, जो लोगों के हितों से परे है, तो हमें यह समझना चाहिए कि हमारे राजनेता अच्छी संगति में हैं! श्री ट्रूडो ने अपने देश के दीर्घकालिक हितों की परवाह न करते हुए यह सुनिश्चित किया है कि निकट भविष्य में भारत–कनाडा संबंधों में सुधार न हो। हालांकि, कनाडा के कुछ विपक्षी नेताओं ने इन "खालिस्तानी" चरमपंथियों पर लगाम लगाने में श्री ट्रूडो की स्पष्ट निष्क्रियता की निंदा की है।

# कैंसर के लिए सुसंगत स्वास्थ्य प्रणाली प्रतिक्रिया की आवश्यकता

ललित

हृदय संबंधी रोग, जो मुख्य रूप से दिल के दौरे और मस्तिष्क के स्ट्रोक के रूप में प्रकट होते हैं, वैश्विक स्तर पर मृत्यु का प्रमुख कारण है। भारत में भी, यह हाल के दशकों में वयस्कों की मृत्यु का शीर्ष कारण बनकर उभरा है। हालाँकि, 27 देशों में 2,00,000 लोगों के एक अंतरराष्ट्रीय सहयोगी अध्ययन ने 2019 में बताया कि हाल ही में उच्च आय वाले देशों में कैंसर ने हृदय संबंधी रोग को पीछे छोड़ दिया है। अध्ययन में पाया गया कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में हृदय संबंधी रोग मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है। कैंसर स्डप्ड में भी बीमारी, विकलांगता और मृत्यु के एक प्रमुख कारण के रूप में बढ़ रहा है, हालाँकि यह जानलेवा बीमारियों की सूची में हृदय संबंध ी रोग से पीछे है। इन देशों में कैंसर के बोझ में वृद्धि नए कैंसर की बढ़ती घटनाओं और समय पर पता लगाने और उपचार प्रदान करने में स्वास्थ्य सेवाओं की अक्षमता दोनों के कारण है। अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, वायु प्रदूषण, पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थों, तंबाकू उत्पादों और मादक पेय पदार्थों के संपर्क में आने वाली आबादी के उच्च स्तर के कारण कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि 2020 से 2025 के बीच भारत में कैंसर के मामलों में 12.8 प्रतिशत की वृद्धि होगी। 2022 में, भारत में 14.1 लाख नए कैंसर के मामले सामने आए और कैंसर के कारण 9.1 लाख मौतें हुईं। ये अनुमान वास्तविक कैंसर के बोझ से कम होने की संभावना है। पिछले चार दशकों में उच्च आय वाले देशों में हृदय संबंधी मृत्यु दर में कमी न केवल बेहतर आहार, कम धूम्रपान और अधिक व्यायाम के कारण हुई, बल्कि कई जीवन रक्षक उपचारों के कारण भी हुई। बुनियादी और नैदानिक अनुसंधान से प्रभावी उपचार सामने आए। उन्हें व्यापक रूप से लागू किया गया, जिसके परिणामस्वरूप कई मौतें टाली गईं। जबकि कैंसर और हृदय रोग के लिए कई व्यवहार संबंधी जोखिम कारक आम हैं, हाल ही तक कैंसर के क्षेत्र में अत्यधिक प्रभावी उपचार कम दिखाई देते थे और प्रभावशाली नहीं थे। हालांकि, पिछले दशक में कैंसर के निदान और उपचार में कई प्रगति हुई है। ऑर्गन इमेजिंग के साथ–साथ ऊतक ऊतक विज्ञान और पैथोलॉजी में प्रयोगशाला तकनीकों में काफी प्रगति हुई है। नए आणविक डेटा (जर्म लाइन जीनोमिक्स, ट्यूमर जीनोमिक्स, एपिजे नोमिक्स, फार्माको जेनोमिक्स और परिसंचारी ट्यूमर डीएनए) के साथ नैदानिक घ्डेटा के एकीकरण ने निदान की सटीकता और उपचार के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण को बहुत बढ़ा दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन नैदानिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए बहुत सहायता प्रदान कर रही है। लक्षित उपचारों और मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के विकास के माध्यम से नए उपचार सामने आए हैं। इनमें से कुछ एंटीबॉडी कैंसर कोशिका की बाहरी दीवार को नष्ट कर सकते हैं जबकि अन्य कोशिका और प्रोटीन के बीच के कनेक्शन को अवरुद्ध कर सकते हैं जो कोशिका वृद्धि को बढ़ावा देते हैं। CAR-T सेल थेरेपी रोगी की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली से टी–लिम्फोसाइट्स एकत्र करके और उन्हें कैंसर कोशिकाओं पर हमला करने के लिए प्रशिक्षित करके कैंसर थेरेपी को अनुकूलित करने का मार्ग प्रदान कर रही है। सर्जरी, विकिरण चिकित्सा, कीमोथेरेपी, लक्षित दवा उपचार और इम्यूनोथेरेपी अब कैंसर उपचार के पाँच स्तंभ बन गए हैं। इन उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रोगियों और उच्च आय वाले देशों में गरीब लोगों के लिए कैंसर निदान और उपचार तक पहुँच अभी भी सीमित है। बचपन में होने वाले कैंसर के उपचारों को उल्लेखनीय रूप से सफल पाया गया है, लेकिन वे निम्न और मध यम आय वाले देशों में कई बच्चों को लाभ नहीं पहुँचा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट है कि उच्च आय वाले देशों में कैंसर से पीड़ित 80 प्रतिशत से अधिक बच्चे ठीक हो जाते हैं, जबकि विकासशील देशों में 30 प्रतिशत से भी कम बच्चे लाभ उठा पाते हैं। कैंसर की खराब देखभाल का कारण देर से पता लगना, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में क्षमता की कमी, अधिक उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए देरी से रेफरल, अच्छी तरह से प्रशिक्षित कर्मियों और अच्छी तरह से सुसज्जित कैंसर देखभाल सुविध ाओं की सीमित उपलब्धता, परीक्षणों और उपचारों की उच्च लागत और उपचारित रोगियों के लिए अनुवर्ती देखभाल में अंतराल है। घातक रूप से बीमार रोगियों के लिए उपशामक देखभाल व्यापक रूप से उपलब्ध नहीं है। आम जनता में, कारणों, नैदानिक घ्दअभिव्यक्तियों, सुविधाओं और देखभाल के विकल्पों के बारे में जागरूकता की काफी कमी है। इसका परिणाम मूल्यांकन के लिए देरी से स्व–रेफरल, अपर्याप्त जांच, अप्रभावी उपचार और खराब स्वास्थ्य परिणाम हैं। ये सभी कमियाँ देश की स्वास्थ्य प्रणाली के डिजाइन, संसाधन और प्रदर्शन से संबंधित हैं, जो सार्वजनिक, निजी और स्वैच्छिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का एक संयोजन है। केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस मिश्रित स्वास्थ्य प्रणाली का संचालन करती हैं। केंद्र सरकार नीति बनाती है और राज्य सरकारें सेवाओं का संचालन करती हैं, जिसमें वित्तीय संसाधन दोनों से आते हैं। कैंसर निदान के विशेषज्ञों से लेकर अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों और अनौपचारिक देखभाल प्रदाताओं तक, कैंसर देखभाल में लगे लोगों की श्रेणी बड़ी है, जबकि उनकी संख्या जरूरत से कम है। उनका भौगोलिक वितरण राज्यों और शहरी–ग्रामीण विभाजनों में विषम है। कैंसर देखभाल के लिए बहुलवादी दृष्टिकोण अपनाने में असमर्थता उन लाभों से वंचित करती है जो कुछ पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों से प्राप्त हो सकते हैं। जबकि कैंसर नियंत्रण के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम मौजूद है, इसने गति नहीं पकड़ी है।

## वीरांगना दिवस पर हुआ खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की भारत सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन एवं वार्षिक कार्य योजना 2024–25 के अनुसार मिशन शक्ति फेज–5 के अंतर्गत जनपद हरदोई के समस्त कस्तूरबा गाँधी विद्यालय की छात्राओं ने आज वीरांगना दिवस के अवसर पर आज एक दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उदघाटन जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर व सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। प्रतियोगिता की थीम ''हम में है दम'' थी।

इसमें 100 मीटर, 200 मीटर, व 400 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया। इसके साथ ही लम्बी कूद, चक्का फेंक, गोला फेंक, रिले रेस, रस्सा कस्सी, खो–खो, कबड्डी आदि खेलों का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाकर खेलकूद प्रतियोगिता का औपचारिक उदघाटन किया। जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने महिला सुरक्षा की शपथ पर हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की। खेल प्रतियोगिता के समापन के उपरांत जिलाधिकारी ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार व मेडल वितरित किये। पुरस्कार में स्पोर्ट्स किट व स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चियों की खेल प्रतिभा को निखारने का कार्य करेंगी। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय निगम, वरिष्ठ सहायक सतीश कुमार, रामू जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी मंजू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

## सुचिता पूर्ण परीक्षा कराई जाने के लिए विश्व विद्यालय प्रतिबद्ध है – वीरेंद्र सिंह परीक्षा नियंत्रक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आगामी दिनों में आयोजित होने वाली परीक्षाओं को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूरी तरह से कमर कस लिया है। विषम सेमेस्टर की परीक्षा दिसम्बर के प्रथम सप्ताह से शुरू होगी। परीक्षाओं को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस मामले में बात करते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी हैं। परीक्षा लगभग 30 से 35 दिन तक चलेगी। पूरी तरह से स्वच्छ और पारदर्शिता पूर्ण परीक्षा कराई जाएगी। जो कॉलेज पूर्व में डिबार हैं उन्हें परीक्षा केंद्र किसी भी कीमत पर नहीं बनाया जाएगा । महाविद्यालय में सीसीटीवी कैमरा लगवाने के लिए कहा गया है । यदि कोई भी शासन की गाइडलाइन का पालन नहीं करता है।

तो उसे सेंटर नहीं बनाया जाएगा। सभी प्राचार्य और प्रबंधकों से अनुरोध है कि वह अपने कॉलेज में व्यवस्थाएं शासन की मंशा के अनुरूप कर लें। सुचिता पूर्ण परीक्षा कराई जाने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। समर्थ पोर्टल को लेकर विश्वविद्यालय द्वारा लगातार उस पर काम किया जा रहा है ।सभी पर काम किया जा रहा है । और आने वाले समय में जैसा निर्देश होगा उसे पर काम किया जाएगा।

## 70 प्लस सभी वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु डीएम डा0 दिनेश चन्द्र द्वारा मेगा कैंप लगाकर कार्ड बनाये जाने के लिए दिए निर्देश - सीएमओ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह ने अवगत कराया है कि आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत 70 प्लस सभी वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र द्वारा मेगा कैंप लगाकर कार्ड बनाये जाने के लिए निर्देशित किया गया हैं। वरिष्ठ जनो के कार्ड सभी पंचायत भवन, जिला पुरुष चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रो पर, सभी जन सेवा केंद्रो पर, समस्त आशा के माध्यम से, समस्त सूचिबद्ध निजी चिकित्सालयों पर बनाये जा सकते हैं। 70 प्लस वरिष्ठ जनों के आयुष्मान कार्ड,आधार कार्ड के जन्म तिथि के आधार पर बनाये जाने हैं। इसमें किसी भी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं हैं । 20 नवम्बर 2024 को दीवानी न्यायालय में कैंप लगाकर समस्त वरिष्ठजनों का कैंप लगवाकर कार्ड बनाया जायेगा।

वरिष्ठ जन आयुष्मान कार्ड बनावाकर 05 लाख तक निःशुल्क ईलाज किसी भी सूचिबद्ध निजी चिकित्सालयों में व किसी भी राजकीय चिकित्सालयों में करवा सकते हैं। उन्होने बताया है कि जनपद जौनपुर में कुल 34 निजी चिकित्सालय सूचीबद्ध हैं जहां पर लाभार्थियों का ईलाज व कार्ड बनवाया जा सकता हैं। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी साचीज के निर्देशानुसार 20 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक सेवानिवृत्त समस्त कर्मचारियों का विकास भवन के द्वितीय तल पर कैंप लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा जिसमें समस्त सेवानिवृत्त कर्मचारियों व उनके आश्रितों का कार्ड बनाया जाना हैं। समस्त सेवानिवृत्त कर्मचारी पं0 दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस कार्ड बनाने हेतु पेंशन से सम्बन्धित दस्तावेज, आधार कार्ड ,फोटो लेकर कैंप में आये व कंप का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने का कष्ट करें। जनपद में अब तक कुल 1169562 लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं और 83831 लाभार्थियों के ईलाज हो चुके हैं जिनपर लगभग 133 करोड़ खर्च हुये हैं

## बैंको के मैनेजरो से समन्वय स्थापित कर योजनान्तर्गत लम्बित आवेदनो का अतिशीघ्र निस्तारण किया जाये – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में उद्यान एंव खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन, ''पर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरीगेशन व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की जनपद स्तरीय



जिला क्रियान्वयन समिति की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा द्वारा विभाग द्वारा संचालित योजनाये यथा–एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना, ''पर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरीगेशन योजना एंव प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी द्वारा योजनाओ के सम्बन्ध में समीक्षा की गयी। एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत नवीन उद्यान रोपण कार्यक्रम के अर्न्तगत अमरूद की हाइब्रिड किस्मो जैसे ताइवान, ललीत इत्यादि को अधिक से अधिक लगाने हेतु सुझाव दिया गया साथ ही सभी विभागो को निर्देशित किया गया कि उद्यान विभाग द्वारा संचालित राजकीय पौधशालाओ पालीटेक्निकध बक्शा से कलमी पौधे उचित दरो पर प्राप्त कर रोपण करवाना सुनिश्चित करें तथा शाकभाजी क्षेत्र विस्तार हेतु जिलाधिकारी द्वारा गमलो में सब्जी लगाने हेतु जनअभियान हेतु प्रेरित किया। पर ड्राप मोर क्राप'' माइक्रोइरीगेशन योजनान्तर्गत जिला उद्यान अधिकारी द्वारा योजना से होने वाले लाभ यथा– पानी, श्रम एंव समय की बचत तथा उत्पादन में वृद्धि की बात बतायी गयी एंव योजनान्तर्गत लघु सीमान्त कृषक को ड्रिप एंव मिनी स्प्रिंकलर में 90 प्रतिशत तक एंव पोर्टेबल पर 75 प्रतिशत तक की सब्सिडी अनुमन्य है। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा योजना का प्रचार–प्रसार कर कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन कराया जाये। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की समीक्षा करते हुए उद्यमियो के पंजीयन बढाने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही साथ बैठक में प्रतिभाग कर रहे एल0डी0एम0 को निर्देशित किया गया कि बैंको के मैनेजरो से समन्वय स्थापित कर योजनान्तर्गत लम्बित आवेदनो का अतिशीघ्र निस्तारण किया जाये साथ ही साथ उद्यमियो एंव किसानो की समस्याओ का त्वरित निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित लाभार्थी कृषको यथा–केला कृषक संजीत सिंह डब्बू एंव मिनी स्प्रिंकलर के लाभार्थी कृषक सन्तोष कुमार सिंह व उद्यमी शन्नो सिंह द्वारा योजना का फीड बैक लिया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, जिला विकास अधिकारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी, प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र बक्शा व उप निदेशक कृषि, एल0डी0एम0 जिला कृषि अधिकारी आदि अधिकारीगण डी0आर0पी0 एंव विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहें।

## खेलकूद मैदान पर कब्जे को मुक्त करने को लेकर नव युवक दल के युवकों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन



ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खेल के मैदान पर अवैधा कब्जे को मुक्त कराने के लिए नव युवक दल के युवकों ने मंगलवार दोपहर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर उसे कब्जाधारी से मुक्त कराने के लिए शिकायती पत्र दिया। जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे जफराबाद थाना क्षेत्र के सामोपुर गांव निवासी युवकों ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव में युवकों के खेलकूद के लिए एक सरकारी जमीन है लेकिन उस मैदान पर गांव व उसले आसपास क्षेत्र के युवक पिछले पांच वर्षों से खेल से बंचित है ।युवकों ने बताया कि गांव के ही यदुनाथ चौहान पुत्र स्व. भजनी ने वहां अवैधा अतिक्रमण करते हुए कब्जा कर लिया है ।उस मैदान(सरकारी बंजर भूमि)पर कोई युवक खेल के उद्देश्य से जाता है तो अवैध कब्जा किए हुए यदुनाथ युवकों से गाली गलौज करता है ।जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे दर्जनों युवकों ने उक्त जमीन को कब्जाधारी से खाली करवाने के लिए शिकायती पत्र दिया है ।जिससे पूर्व की तरह एक बार फिर वहां आसपास गांव के बच्चे खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा निखारने आ सके।

## रामनगर के कम्पोजिट विद्यालय जेठपुरा में शिक्षक संकुल बैठक सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

जौनपुर। रामनगर के कम्पोजिट विद्यालय जेठपुरा मे शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन महानिदेशक के निर्देश पर किया गया ।आज की बैठक में ए आर पी बिनोद कुमार सिंह की उपस्थिति में निदेशक द्वारा निधारित एजेण्डे के अनुसार छ।ज व छ। की परीक्षा में शत–प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति हेतु अभिभावकों से सम्पर्क करने व निपुण लक्ष्य हेतु बच्चों का निरंतर आकलन ऐप से करने,व प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय की अलग–अलग समीक्षा बैठक में की गई व अपने विद्यालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अध्यापकों का बैठक में उपस्थित सभी के बीच शिक्षण की विधियों का प्रस्तुतीकरण भी 5 अध्यापकों द्वारा किया गया ।आज



के कार्यक्रम में श्रीप्रकाश सिंह भी उपस्थित रहे व बैठक का संचालन प्रधानाध्यापक सत्य प्रकाश मिश्र ने किया।

कार्यक्रम में संजय सिंह, राजेश मिश्र, नन्हेलाल, राजेन्द्र यादव, जयहिंद, जयप्रकाश यादव , सरिता चौधरी ,विनय , श्याम कुमार, चन्द्र कान्त सिंह व कृष्ण कुमार गुप्त, अरविन्द कुमार पटेल,भरत कुमार सिंह, सुरेश सोनकर, चन्द्र शेखर, धरुव राज,सुनील कुमार , राज बहादुर, व अन्य अध्यापक तथा शि मित्र उमेश मौर्य , सफाई कर्मचारी संतोष कुमार यादव व रसोईया ,लालजी, जोखना , नगीना, सविता व बेहतरीन कलाकार गुलशन कुमार आर्ट्स तथा अभिभावक उपस्थित रहे।

## सड़क सुरक्षा तथा साइबर क्राईम के बारे में दी गयी जानकारी जानकारी व बताया गया नियम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय पब्लिक इंटर कालेज हुसेपुर में मंगलवार को यातायात जागरुकता अभियान के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यातायात पुलिस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव ने कहा कि आज के दौर में सड़क पर मोटर वाहनों में जिस गति से बढोत्तरी हो रही है ।वह बिना नियम पालन किये काफी खतरनाक बन सकती है ।इस लिए हमे सड़क पर चलने के लिये सभी नियमो का पालन करना होगा ।तभी हम सुरक्षित रहेंगे ।टीएसआई सुशील मिश्रा ने बच्चों को सड़कों,राजमार्गों पर बनाये गए सूचकों की क्या



आवश्यकता है ।उनका महत्व क्या है ।उसका पालन क्यों आवश्यक है उसे विस्तृत रूप से बताया ।उन्होंने छात्र छात्राओं से सभी नियमों का पालन करने तथा अपने परिवार के सदस्यों से करवाने का संकल्प कराया। इसके अलावा उन्होंने उनसे कहा कि घर से बिना हेलमेट के किसी को भी निकलने नही दें ।हाइवे पर आपातकाल में सरकार द्वारा जारी नम्बर 1033 की भी जानकारी दिया। इसके पूर्व अतिथियों का कालेज का प्रधानाचार्य विनय कुमार श्रीवास्तव ने अंगवस्त्रम व साल देकर सम्मानित किया। इस मौके पर इन्स्पेक्टर सजंय सिंह, सुदामा प्रसाद, राजेश सेंगर, विपुल राय, प्रवीन राय आदि मौजूद रहे।

## जनपद में डेंगू के 11 नए मरीज पीड़ितों का आंकड़ा पहुंचा 547

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। जनपद में डेंगू का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है ।प्राइवेट अस्पताल मरीजों से भरे हैं। मंगलवार को आई रिपोर्ट के अनुसार डेंगू के 11 नए मरीज मिले हैं। जिसके बाद जिले में पीड़ितों का आंकड़ा 547 पहुंच गया है। इनमें सबसे अधिक नगर क्षेत्र में 282 व करंजाकला में 69 मरीज हैं। बदलापुर में 28 ,खुटहन में 22 ,सिरकोनी 22,बक्शा में 13,सोंधी में 12,मुंगराबादशाहपुर में 12 मरीज है। हर साल बारिश के मौसम में मच्छरजनित बीमारियां महामारी का रूप धारण कर लेती हैं। जनपद में संसाधनों की कमी के चलते कई पीड़ितों की जहां जान चली जा रही है। जगह–जगह इकघ्ठा हो रहे पानी से डेंगू के मच्छर तेजी से पनप रहे हैं। इसके अलावा घरों व दुकानों का गंदा पानी भी टूटी नालियों में बजबजा रहा है। इससे मच्छरों की भरमार हो गई है। संचारी रोग अभियान भी समस्या के समाधान में फेल साबित हो रहा है। नगर पालिका द्वारा फागिंग व एंटी लारवा की छिड़काव कागज तक सीमित है। जिला मलेरिया अधिकारी सुनील यादव ने बताया कि जौनपुर नगर के सिपाह मोहल्ले में 21 मरीज है, चौकियां में 18 ,चाचकपुर 12, लाइन बाजार में 12 ,पुरानी बाजार में 13 मरीज है। व करंजा कला क्षेत्र में डेंगू के मरीजों की संख्या अधिक है। बाकी – विकास खंडों में स्थिति सामान्य है। जांच में 547 मरीज मिले हैं।

## अज्ञान का नाश कर विवेक पूर्ण जीवन बनाती है श्रीमद्भागवत कथा – श्री हर्ष जी महाराज

सुजानगंज। क्षेत्र के पूरा रामसहाय बेलवार मे श्री ब्रम्हा देव पांडे के आवास पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में श्री धाम अयोध्या से पधारे स्वामी श्री हर्ष जी महाराज ने कहा कि जब व्यक्ति के जीवन में अंधकार प्रकट हो उसे कहीं कुछ भी ना दिखाई पड़े तब उसे व्यक्ति को अपने आचार्य के अपने गुरु जन के सन्निधि में बैठ करके कथा श्रवण करनी चाहिए क्योंकि जब व्यक्ति के जन्म–जन्मांतर कल्प कल्पांतर एवं युग युगांतर के पुण्य एकत्रित होते हैं तब उस जीव को उसे मानव को भागवत कथा सुनने का शुभ अवसर प्राप्त होता है. यह भागवत की कथा व्यक्ति के जीवन में ज्ञान का प्रकाश डाल करके उस व्यक्ति के जीवन को विवेक पूर्ण बनती है इसीलिए ऋषि मुनी जन कहा करते हैं की जीवन में जितनी बार अवसर मिले उतनी बार भगवान की मंगलमय भागवत कथा जरूर ही श्रवण करनी चाहिए. इस अवसर पर शैलेन्द्र पांडे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## मुख्य सतर्कता अधिकारी,अजय कुमार सिंह ने किया यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का निरीक्षण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य सतर्कता अधिकारी अजय कुमार सिंह द्वारा लखनऊ स्थित यूनियन बैंक भवन का दौरा किया गया. मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा यूनियन बैंक भवन में स्थित कान्फरेन्स हॉल में चिकित्सा जाँच शिविर का शुभारम्भ किया गया. उन्होंने अंचल प्रमुख राजेश कुमार एवं अन्य कार्यपालकों की उपस्थिति में यूनियन बैंक भवन परिसर में वृक्षारोपण किया. यूनियन बैंक भवन के सभागार में उन्होंने लखनऊ अंचल के सभी यूनियन बैंक स्टाफ सदस्यों को सम्बोधित किया, जिसमें शहर के सभी शाखा प्रमुख भौतिक रुप से उपस्थित थे एवं लखनऊ अंचल की सभी शाखाओं के स्टाफ सदस्य ऑन लाइन शामिल हुए। मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा बैंकिंग क्षेत्र में सतर्कता की महत्ता को रेखांकित करते हुए इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया एवं वर्तमान परिवेश में धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को मद्देनजर रखते हुए स्टाफ सदस्यों को स्वयं अधिक सचेत व सतर्क रहने तथा ग्राहकों को भी इस संबंध में जागरुक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

## पंडित मुरलीधर चौरिटेबल ट्रस्ट ने छात्रों को दिए कापी



सुजानगंज। उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजानगंज में पंडित मुरली धर चौरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से प्रमोद पाठक के द्वारा सभी छात्रों को कापी वितरण किया गया। वहीं पर विद्यालय के समस्त छात्रों की चर्चा हुई विद्यालय के प्रथम गुरु राम सुमेर दुबे का भी स्मरण किया गया। आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने अपने संबोधन में इस विद्यालय के पढ़े हुए पुराने छात्र जैसे श्री काशी प्रसाद त्रिपाठी आईपीएस, श्री शंभू नाथ त्रिपाठी आईएएस, श्री आद्या प्रसाद त्रिपाठी तहसीलदार। श्री जगदीश प्रसाद त्रिपाठी प्रधानाचार्य आदि सभी लोगों का स्मरण कराते हुए उपस्थित लोगों को संबोधित किया. इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार सिंह राष्ट्रीय महाविद्यालय के प्राध्यापक जीत नारायण यादव, डॉ सुनील मणि त्रिपाठी, डॉ संजीव कुमार त्रिपाठी, डॉ वारिस अली, दिनेश प्रताप सिंह, प्रभाकर शुक्ला, अरविंद पांडे आदि उपस्थित रहे। वहीं पर कार्यक्रम का संचालन आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने किया।

## पीयू के मीराबाई महिला छात्रावास में हुई घटना से कुलपति ने किया इनकार,मौके से कुछ नहीं मिला – कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय में सोमवार की रात विश्वविद्यालय मीराबाई छात्रावास की छात्राओं ने अपने वॉशरूम और कमरों में हिडन कैमरा लगाए जाने की बात को लेकर जमकर हंगामा काटा ।सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने पहुंचकर वाशरूम और कमरों की तलाशी लिया लेकिन कुछ भी नहीं पाया गया। इस मामले में मंगलवार को देश की उपासना ब्यूरो से बात करते हुए कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह बताया कि रात में ही मौके पर पहुंचकर छात्राओं के साथ पूरा हॉस्टल चेक किया कुछ भी नहीं पाया गया है। छात्राओं के मोबाइल पर एक ऐप डाउनलोड था जिसको लेकर लाल इंडिकेशन शो कर रहा था जो वाईफाई का इंडिकेशन था पुलिस भी जांच पड़ताल में कुछ नहीं पाया गया है। अभी सब कुछ स्थिति सामान्य है यह कुछ शरारतियों का भी काम हो सकता है पुलिस छात्रों के मोबाइल फोन नंबर को ट्रेस कर रही है। छात्रों से बातचीत के मामले पर कुलपति ने कहा कि कल की घटना को लेकर कुछ छात्राएं हैं डरी हुई हैं और कुछ की तबीयत खराब हो गई है ऐसे में उनसे एक–दो दिन बाद बात करके स्थिति स्पष्ट किया जाएगा। इस घटनाक्रम में अभी कौन लोग शामिल हो सकते हैं या सिर्फ यह इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का मामला है एक–दो दिन में साफ हो जाएगा। पुलिस पूरे मामले में गहनता से पड़ताल कर रही है। इससे पूर्व कुछ दिन पहले भी विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग की छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों पर यौन उत्पीड़न की आरोप लगाए गए थे जिस मामले में कुलपति द्वारा संबंधित शिक्षकों को विश्वविद्यालय को निष्कासित कर दिया गया था। कुलपति के कड़े तेवर के कारण भी विश्वविद्यालय लोग सकते में है ऐसे में इस तरह की घटना सामने आना कहीं ना कहीं संदेह उत्पन्न होता नजर आ रहा है।

## प्रदेश की तकदीर व तश्वीर बदलने राजनीति में सक्रिय हो युवा – रामभजन चौबे

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोण्डा में समाजवादी पार्टी के विधानसभा तरबगंज के कार्यकर्ताओं की सोमवार को पूर्वाह्न बेलसर स्थित सपा जनसंपर्क कार्यालय में मासिक बैठक पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद स्वरूप यादव उर्फ पप्पू यादव के मुख्य आतिथत्व व पूर्व विधान सभा प्रत्याशी रामभजन चौबे की अध्यक्षता में संपन हुई।

पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज चौबे के संचालन में आयोजित बैठक में सपा के कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं के भागीदारी की समीक्षा एवं मतदाता सूची पुनरीक्षण



कार्यक्रम में सक्रियता पर विचार किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व प्रत्याशी रामभजन चौबे ने कहा कि चुनाव आयोग के आदेश से प्रत्येक विधान सभा क्षेत्रों में मतदाता सूची में पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। सपा कार्यकर्ताओं को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी कर अधिक से अधिक युवाओं को मतदाता बनवाने और उन्हें सपा से जोड़ने का अभियान चलाना चाहिए। युवाओं के राजनीति में हिस्सा लेने से प्रदेश की तकदीर और तश्वीर बदलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा शासन में गांव के गरीब मजदूर व किसान बढ़ती महंगाई व अराजकता से परेशान है। किसान खाद बीज के लिए दर दर भटक रहे हैं। पूर्व अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि युवाओं के राजनीति में सक्रिय होने से सपा संगठन मजबूत होगा और आगामी चुनाव में सपा लोकप्रियता से प्रदेश में पुनः सत्ता में काबिज हो सकेगी। बैठक में देवमणि तिवारी व प्रदेश सचिव केशवराम मौर्या ने भी विचार व्यक्त किए।

## भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक संगठन के पदाधिकारियों ने सौपा ज्ञापन

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। सोमवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की पंचायत तहसील सदर के तिकुनिया पार्क में लगाई गई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अरविंद यादव ने किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार महंगाई को देखते हुए गन्ने का रेट 450 रुपए कुंतल किया जाये। उन्होंने कि वर्तमान समय गन्ना उद्योग के लिए स्वर्णिम दौर है लेकिन इस दौर में गन्ना किसान इससे अछूता है ।आज गन्ने से बनने वाले उत्पादों से शुगर मिलो की आय का आकलन करना भी मुश्किल है ।गन्ने का मूल वर्तमान में चीनी मूल्य के आधार पर नहीं बल्कि सह उत्पादों के आधार पर किया जाना चाहिए ।गन्ने से एथनॉल, चीनी, शराब, बिजली,गैस आदि का उत्पादन किया जा रहा है ।पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष गन्ने से बनने वाले सभी उत्पादों के मूल्य में वृद्धि हुए है। उर्वरक, कीटनाशी, खरपतवार नाशी, कृषि की मजदूरी में भी लगभग 25%की वृद्धि होने के कारण गन्ना उत्पादन लागत में भी भारी वृद्धि हुए है। उत्तर प्रदेश का गन्ना किसान गन्ने का मूल्य 450 रु क्विंटल किए जाने की मांग कर रहा है। अधिक रिकवरी वाला प्रदेश है लेकिन गन्ना मूल्य में हरियाणा पंजाब उत्तराखंड जैसे छोटे राज्यों से भी पीछे है खेती की लागत हर वर्ष महंगाई सूचकांक से भी अधिक बढ़ रही है उत्पादक लागत अधिक होने के कारण वर्तमान मूल्य से कितनों को घटा हो रहा है उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गाना प्राइस है 2024 2025 गन्ना मूल्य का निर्धारण अभी तक तय नहीं किया गया है। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष गन्ना से बनने वाले सभी उत्पादकों के मूल्य में वृद्धि हुआ है ।उर्वरक कीटनाशक खरपतवार नासिक कृषि की लगभग 25% की वृद्धि होने के कारण गन्ना उत्पादक लागत में भी भारी वृद्धि हुई है। महिला जिला अध्यक्ष सविता मौर्या ने कहा हमारे जनपद में आवास विकास परिषद द्वारा बहु फसली खेती नष्ट की जा रही है। जो किसानों की जमीन बची है वह जीवन यापन करने के लिए बची है। जिला अध्यक्ष अरविंद यादव ने सभी किसानो के साथ तहसीलदार गोसाईगंज के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा ।इस मौके पर महिला जिला महासचिव आसमा, सोहावल ब्लॉक अध्यक्ष प्रधान राम अभिलाष यादव, जिला उपाध्यक्ष राजमणि यादव, जिला सचिव जेपी, किसान सुरेंद्र यादव,शिवा, मया ब्लॉक अध्यक्ष सुनील यादव,राम बच्चन मौर्य, बुधराम यादव,राम प्यारे धुरिया, ज्योति,चिंता देवी,रोशनी यादव, मोतीलाल मौर्य, गगन जायसवाल, सुधीर सिंह सहित सैकड़ो किसान उपस्थित रहे।

## सरकार ने बदले नियम, अस्पताल में कार्यरत डाक्टरों का नाम करना होगा सार्वजनिक

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में अब 50 से कम बेड वाले अस्पतालों को भी डॉक्टर सहित अन्य स्टॉफ का नाम सार्वजनिक करना होगा। इसके लिए उन्हें अस्पताल के बाहर डिस्प्ले बोर्ड लगानी होगी। सुरक्षा इंतजाम और कचरा प्रबंधन की व्यवस्था करनी होगी। प्रदेश में अभी तक 50 से अधिक बेड वाले अस्पतालों पर क्लीनिकल स्टैब्लिशमेंट एक्ट लागू किया गया था। अब 50 से कम बेड वाले अस्पतालों को भी इस एक्ट के सभी नियमों का पालन करना होगा। उन्हें क्लीनिकल स्टैब्लिशमेंट एक्ट के तहत अस्पताल का पंजीकरण करानाहोगा। अस्पताल के बाहर 15 फीट का डिसप्ले बोर्ड लगाना होगा, जिस पर पंजीकरण नंबर, संचालक का नाम, कार्यरत डॉक्टर व स्टाफ नर्स का नाम व पंजीयन नंबर, बेड संख्या, अस्पताल में उपलब्ध सभी तरह की सुविधाएं आदि लिखना होगा। बोर्ड का बैकग्राउंड पीला एवं काले रंग से हिन्दी अक्षर में होगा। यह बोर्ड अस्पताल के मुख्य द्वार पर लगाया जाएगा। अस्पताल कचरा प्रबंधन के लिए अलग से व्यवस्था करनी होगी। इलेक्ट्रिक और सेफ्टी आडिट भी कराना होगा। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के सचिव रंजन कुमार ने आदेश जारी कर दिया है। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारियों को भेजे गए निर्देश में कहा है कि 50 से कम बेड वाले अस्पतालों का भी पंजीयन क्लीनिकल स्टैब्लिशमेंट एक्ट के नियमों के तहत किया जाए।

## वोटिंग को कम कराने की साजिश रच रही है भाजपा, चुनाव आयोग करे इसे नाकाम

लखनऊ, संवाददाता। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग वोटिंग कम करवाने की भाजपा की साजिश को नाकाम करे। उन्होंने एक्स के माध्यम से कहा कि भाजपा राज में चुनाव को लेकर इतनी धांधली हो रही है कि जनता का कानून–व्यवस्था से एतबार ही उठ गया है। इसलिए जनता का विश्वास जीतने के लिए सुरक्षा बलों की परेड कराई जा रही है। ये मन से डर निकालने की नहीं, मन में डर डालने की प्रक्रिया ज्यादा लग रही है। ताकि, सत्ताधारी दल को चुनाव में बल मिले और जनता कम–से–कम संख्या में वोट डालने के लिए बाहर निकले। अखिलेश ने कहा कि इस संबंध में चुनाव आयोग को भी चेताया कि वो वोटिंग कम करवाने की इस साजिश को नाकाम करे। इस बार जनता अपने मोबाइल कैमरों के साथ तैनात रहेगी और गड़बड़ी करने वाले किसी भी स्तर के व्यक्ति को कोर्ट तक ले जाकर दंड दिलवाकर ही मानेगी। जनता ने 'मतदान भी, सावधान भी' का नारा स्वीकार कर लिया है और अपने वोट की रक्षा के लिए सब कुछ करने को तैयार है।

बूथ तक पहुंचाने के लिए सपा ने बनाई रणनीति

सपा ने उप चुनाव में अपने समर्थक मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने के लिए कमर कस ली है। हर बूथ पर सपा की पीडीए टीम सक्रिय रहेगी। सपा सूत्रों का कहना है कि अगर कहीं भी मतदाताओं को रोकने की घटना सामने आएगी, तो तत्काल न सिर्फ विरोध किया जाएगा, बल्कि उस घटना का वीडियो भी बनाया जाएगा। इसकी सूचना तत्काल सपा हाईकमान को भी दी जाएगी। इसके लिए सपा प्रदेश मुख्यालय पर वार रूम भी स्थापित किया गया है।

## संक्षिप्त खबरें

### दो बंद मकानों से जेवर–नकदी चोरी

लखनऊ, संवाददाता। चोरों ने दो लोगों के मकानों से लाखों के जेवर और 65 हजार रुपये चुरा लिए। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ितों ने हुसैनगंज और तालकटोरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। हुसैनगंज के उदयगंज में रेनू पति के साथ किराये पर रहती हैं। 13 नवंबर को सुबह नौ बजे वह काम पर गई थीं। वह रास्ते में ही थीं तभी उन्हें मकान मालिक ने कमरे में चोरी होनी की जानकारी दी। रेनू घर पहुंचीं तो ताला टूटा हुआ था। सामान बिखरा पड़ा था। लॉकर से लाखों के जेवर और 40 हजार रुपये गायब थे। मकान मालिक ने जब सीसीटीवी फुटेज देखी तो उसमें पुर्व किरायेदार सीतापुर निवासी शानू ताला तोड़ते दिखा। इंस्पेक्टर राम कुमार गुप्ता के मुताबिक जांच में पता चला कि आरोपी पीछे बने अपार्टमेंट की छत से मकान में घुसा था। गिरफ्तारी के लिए एक टीम सीतापुर भेजी गई है। राजाजीपुरम सी ब्लॉक निवासी वृद्धा राजेश्वरी वर्मा नौ नवंबर को अपनी बेटी के घर गई थीं। 16 को जब वह लौटीं तो पता चला कि चोरों ने 25 हजार रुपये और घरेलू सामान चुरा लिया।क खाते से 79 हजार रुपये निकल गए। आरोपी ने अपना मोबाइल बंद कर लिया।

### खरीदारी के बहाने दुकान से तीन लाख के जेवर किए पार

लखनऊ, संवाददाता। टप्पेबाज ने खरीदारी के बहाने सराफ की दुकान से तीन लाख के जेवर पार कर दिए। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पारा पुलिस ने सोमवार को रिपोर्ट दर्ज की है। हरिलाल सोनी की बुद्धेश्वर मंदिर के गेट नंबर एक के पास पुष्प हरी ज्वेलर्स नाम से दुकान है। शनिवार सुबह साढ़े दस बजे युवक आया और एक चांदी का सिक्का खरीदा। फिर उसने दो ग्राम तक का सोने का सामान दिखाने की बात कही। हरिलाल ने एक बाली दिखाई। युवक ने ऐसा सोना दिखाने की बात कही, जिस पर किसी भी महिला का हाथ न लगा हो। सराफ ने एक डिब्बा निकाला, जिसमें सोने की पांच चेन, कान के एक जोड़ी झाले, नथुनी और सात ग्राम गला हुआ सोना दिखाया। सोने की कीमत करीब तीन लाख रुपये थी। कुछ देर जेवर देखकर युवक किसी महाराज को दुकान में लाकर खरीदारी करने की बात कहकर चला गया। सराफ जब माल समेटने लगे तो जेवर से भरा डिब्बा नहीं मिला। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो आरोपी डिब्बा चुराते दिखा। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह के मुताबिक फुटेज में दिख रहे युवक की तलाश की जा रही है।

### केजीएमयू में अब मरीजों को बेड पर ही मिलेंगी दवाएं

लखनऊ, संवाददाता। केजीएमयू में मरीजों के तीमारदारों को अब दवाओं के लिए नहीं भटकना पड़ेगा। भर्ती मरीजों को बेड पर ही दवाएं पहुंचा दी जाएंगी। इसके लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। अगले महीने तक यह व्यवस्था शुरू होने की उम्मीद है। केजीएमयू में करीब साढ़े चार हजार बेड हैं। इनमें से ज्यादातर हमेशा भरे रहते हैं। हॉस्पिटल रिवॉल्विंग फंड (एचआरएफ) के माध्यम से यहां 60 फीसदी तक कम कीमत पर दवाएं मिलती हैं। हालांकि, सभी दवाएं न मिलने से निजी मेडिकल स्टोर के चक्कर काटने पड़ते हैं। इससे मरीजों, तीमारदारों को असुविधा होती है। इसे देखते हुए केजीएमयू प्रशासन ने मरीजों को बेड पर ही दवाएं उपलब्ध कराने का फैसला किया है। यह योजना चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी। पहले चरण में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, रानी लक्ष्मीबाई, आयुष्मान, असाध्य, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जैसी सरकारी योजनाओं के तहत भर्ती मरीजों को बेड पर दवाएं मिलेंगी। इसके बाद बाकी को यह सुविधा मिलेगी। केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह के मुताबिक कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने दवा आपूर्ति में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। इससे अब पहले के मुकाबले ज्यादा दवाएं उप लब्ध होने लगी हैं।

### कानपुर यूनिवर्सिटी का कर्मचारी बनकर छात्र से 79 हजार ऐंठे

लखनऊ, संवाददाता। जालसाज ने खुद को कानपुर यूनिवर्सिटी का कस्टमर केयर कर्मी बताकर युवक से 79 हजार रुपये हड़प लिए। पीड़ित ने मानकनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मानकनगर की गीता कॉलोनी निवासी यश भदौरिया ने कानपुर यूनिवर्सिटी से बीकॉम किया था, जिसकी उन्हें डिग्री लेनी थी। 15 नवंबर को सुबह 11 बजे यश ने सोशल मीडिया से नंबर लेकर कानपुर यूनिवर्सिटी के कस्टमर केयर नंबर पर संपर्क किया। फोनकर्ता ने खुद को यूनिवर्सिटी का कर्मचारी बताते हुए डिग्री के लिए ऑनलाइन फार्म भरने की बात कही। हामी भरने पर ठग ने उनके मोबाइल पर एक फार्म भेजा, जिसे यश ने भर दिया। इसके बाद उन्हें दस रुपये का ऑनलाइन भुगतान करने को कहा। इसके लिए पिन डालते ही दो मिनट में यश के बैंक खाते से 79 हजार रुपये निकल गए। आरोपी ने अपना मोबाइल बंद कर लिया।

### पेंटर ने लगा लिया फंदा

लखनऊ, संवाददाता। पारा के बल्दीखेड़ा निवासी बलराम राजपूत (36) ने रविवार रात फंदा लगा लिया। वह पेंटिंग का काम करते थे। युवक के पिता राम खेलावन के मुताबिक सात नवंबर को बेटा कहीं काम करने गया था। काम के दौरान वह मकान की छत से नीचे गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। ऐसे में उसकी मानसिक स्थिति खराब हो गई थी और अवसाद में रहने लगा था। शुक्रवार को बहू पूजा बेटों बलवीर व शिवा के साथ उन्नाव मायके चली गई थी।

## सिविल अस्पताल में महीने के अंत तक लैप्रोस्कोपी से ऑपरेशन शुरू

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के सरकारी अस्पतालों में लैप्रोस्कोपी विधि से ऑपरेशन की सुविधा वाला सिविल दूसरा अस्पताल बन जाएगा। इसके लिए नई मशीन में आई खराबी को दूर कर लिया गया है। डॉक्टर भी प्रशिक्षण ले चुके हैं। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि माह के अंत तक मरीजों को यह सुविधा मिलने लगेगी। लैप्रोस्कोपी विधि से ऑपरेशन की सुविधा अभी तक लोकबंधु अस्पताल में ही हैं। बलरामपुर, सिविल, बीआरडी महानगर समेत अन्य अस्पतालों में सामान्य विधि से ही ऑपरेशन होते हैं। अब सिविल अस्पताल को मिली लैप्रोस्कोपी मशीन को ठीक करा लिया गया है। सीएमएस डॉ. राजेश श्रीवास्तव के मुताबिक, सरकारी फीस पर ऑपरेशन होंगे।

यहां सर्जन का है इंतजार

ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय को मेडिकल कार्पोरेशन से करीब 13 लाख रुपये की लागत वाली मशीन मिलने वाली है। हालांकि, यहां लैप्रोस्कोपी विधि से ऑपरेशन में दक्ष कोई सर्जन ही नहीं है। ऐसे में मशीन आने के बाद भी मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल सकेगा। सीएमएस डॉ. एसपी सिंह के मुताबिक, इसी हफ्ते मशीन मिल जाएगी। सर्जन की मांग भेजी जा रही है।

## डेंगू बुखार ने बदला स्वरूप, उल्टी–दस्त भी कर रहा पेरशान

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में लोग डेंगू की चपेट में आ रहे हैं। इस बार बुखार ने अपना स्वरूप बदला है। प्लेटलेट्स घटने

संग मरीजों को उल्टी–दस्त की शिकायत हो रही है। बुखार भी काफी तेज आ रहा है। इससे मरीजों को भर्ती करने की नौबत आ रही है। डॉक्टरों का कहना है कि बुखार में ये लक्षण पहली दफा देखे जा रहे हैं। सभी लक्षण डेंगू–चिकनगुनिया के हैं, मगर रिपोर्ट निगेटिव आ रही है। सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश श्रीवास्तव के मुताबिक, डेंगू के कुछ मरीजों में उल्टी–दस्त के लक्षण मिले हैं। बलरामपुर अस्पताल निदेशक डा. पवन कुमार अरुण के मुताबिक, डेंगू–बुखार के मरीजों में इस तरह के लक्षण मिले हैं।

विशेषज्ञ बोले, कुछ मरीजों में नए लक्षण दिखे

डॉक्टरों का कहना है कोई भी वायरस खुद को म्यूटेट करता रहता है। यही वजह है कि इस बार मरीजों में नए लक्षण भी दिखाई दे रहे हैं। जरूरी नहीं है हर मरीज में ऐसे लक्षण आएं। ये म्यूटेशन के कारण होता है।

लक्षण दिखने पर न करें लापरवाही

सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश के मुताबिक, बुखार आने पर लापरवाही न बरतें और तुरंत ब्लड टेस्ट करवाएं। डेंगू का बुखार ज्यादा दिन तक बना रहता है। इससे मांसपेशियों में दर्द भी होता है। डेंगू का बुखार दिमाग पर भी असर डालता है।

केस 1

वजीरगंज के रहने वाले विनय को एक हफ्ते पहले तेज बुखार आया। बलरामपुर अस्पताल की ओपीडी में दिखाया। डॉक्टर ने जांच कराई तो डेंगू रिपोर्ट पॉजिटिव आई। बुखार आने के दो से तीन दिन बाद उन्हें उल्टी संग दस्त भी शुरू हो गए।। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

केस 2

अलीगंज की रहने वाली नेहा को बीते हफ्ते बुखार आया था। डेंगू–चिकनगुनिया, मलेरिया व टॉयफाइड की जांच कराई। सभी निगेटिव आईं। प्लेटलेट्स 80 हजार पहुंच गई। दवाएं खाने से बुखार उतर जाता। दवा का असर कम होते ही बुखार चढ़ जाता है। तीन दिन बाद बुखार संग उन्हें दस्त शुरू हो गए। ऐसे में उन्हें अस्पताल में भर्ती करने की नौबत आ गई।

## झांसी अग्निकांड पर डिप्टी सीएम पाठक ने अफसरों के साथ की बैठक

लखनऊ, संवाददाता। झांसी के मेडिकल कॉलेज में हुए अग्निकांड के बाद यूपी के डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को लखनऊ में अफसरों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने अफसरों से चर्चा की। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रदेश के सभी अस्पतालों को सुरक्षित मानकों के अनुरूप रखने के लिए बैठक हुई है। तय किया गया कि किसी भी स्थिति में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी अस्पतालों की फिर से फायर सेफ्टी ऑडिट कराई जाएगी। इसे लेकर सभी जिलों को अलर्ट किया गया है। 24 घंटे हर वार्ड में एक प्रशिक्षित व्यक्ति रहेगा जो निगरानी करेगा। तय किया गया है कि जहां विद्युत लोड जितना सुकृत है उसी हिसाब से तार व अन्य सामग्री लगाई जाएगी। अतिरिक्त उपकरण प्रयोग करने से पहले इंजीनियर की स्वीकृति ली जाएगी। अस्पताल में जहां मरीज रहते हैं वहां परमानेंट वायरिंग ही रहेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक सेफ्टी का हर हाल में पालन किया जाएगा। डीजे हेल्थ को निर्देश दिया गया है कि वे जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि प्राइवेट अस्पतालों के साथ भी हम बैठक करेंगे और उन्हें सेफ्टी के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करेंगे। मैं खुद सभी अस्पताल संचालकों से बात करूंगा।

एक और बच्चे की गई जान

झांसी महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में लगी आग के मामले में एक और नवजात ने दम तोड़ दिया है। अब अग्निकांड में मृत नवजातों की संख्या 12 हो गई है। उधर, घटना की जांच के लिए शासन की टीम भी पहुंच गई है। जानकारी के अनुसार, झांसी महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा केंद्र (एसएनसीयू) में शुक्रवार की रात तकरीबन 11 बजे भीषण आग लग गई थी, जिसमें 10 बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि, एक बच्चे ने रविवार को दम तोड़ दिया था। अब सोमवार को एक और बच्चे की मौत हो गई। यह बच्चा जालौन जिले के रहने वाले विशाल की पत्नी मुस्कान का है। जन्म से गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने पर उसे मेडिकल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि घटना के समय वार्ड में 49 बच्चे भर्ती थे, जिनमें से 39 बच्चों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया था।

## ट्रॉमा सेंटर में मरीजों की दलाली में हटाए गए पांच रेजिडेंट डॉक्टर, भेजते थे दूसरे अस्पताल में

लखनऊ, संवाददाता। केजीएमयू में मरीजों का ज्यादा दबाव होने का फायदा उठाने में कई जूनियर रेजिडेंट (जूनियर डॉक्टर) भी पीछे नहीं हैं। मरीजों को अच्छे इलाज का झांसा देकर कई रेजिडेंट निजी अस्पताल भेज रहे हैं। केजीएमयू प्रशासन ने इसकी जानकारी होने पर गुपचुप तरीके से ट्रॉमा सेंटर में तैनात पांच जूनियर रेजिडेंट (नॉन पीजी) की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में इस समय 450 बेड हैं। ज्यादातर बेड भरे रहते हैं। हालत यह होती है कि रोजाना यहां सौ से ज्यादा घायलों का इलाज स्ट्रेचर पर होता है। मरीजों का ज्यादा दबाव होने की वजह से शाम के बाद और विशेषकर रात में आने वाले घायलों को बेड मिलने में समस्या रहती है। इसका फायदा उठाते हुए यहां तैनात कई रेजिडेंट मरीजों को निर्धारित अस्पताल भेजते हैं। ट्रॉमा सेंटर के बाहर इन अस्पतालों की एंबुलेंस पहले से मौजूद रहती हैं। ये एंबुलेंस घायलों और मरीजों को सीधे वहां पहुंचा देती हैं। केजीएमयू के एक प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि कुछ जूनियर रेजिडेंट (नॉन पीजी) के खिलाफ मरीजों को शिफ्ट करने की शिकायत मिली थी। जांच कराने पर शिकायत सही पाई गई थी। इसके बाद इनको हटा दिया गया।

सिविल अस्पताल में इसी सप्ताह शुरू होगी 2डी ईको जांच

सिविल अस्पताल में दिल के मरीजों की 2 डी ईको जांच की राह आसान होगी। अस्पताल में लगी नई मशीन का ट्रायल चल रहा है। अफसरों का कहना है कि इसी हफ्ते मरीजों को जांच की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। जांच के लिए मरीजों को 300 रुपये खर्च करने होंगे। आयुष्मान व गरीब मरीजों को मुफ्त जांच की सुविधा मिलेगी। सिविल अस्पताल में कार्डियक आईसीयू यूनिट है। यहां ओपीडी में रोजाना 200 से अधिक मरीज इलाज के लिए आते हैं। इनमें से 50 से अधिक मरीजों की 2डी ईको जांच कराने की जरूरत होती है। अस्पताल में सुविधा नहीं होने से मजबूरी में मरीजों को केजीएमयू, लोहिया या फिर निजी केंद्र जाना पड़ रहा था। उल्लेखनीय है कि 2डी ईको जांच की सुविधा किसी भी सरकारी अस्पताल में अभी नहीं है। सीएमएस डॉ. राजेश के मुताबिक, जांच की सुविधा इसी सप्ताह से मरीजों को मिलेगी।

## लुलु मॉल में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी के 12वें एक्सक्लुसिव शोरूम का किया उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी ने अपनी श्रृंखला का विस्तार करते हुए उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लुलु मॉल में अपने 12वें एक्सक्लुसिव शोरूम के शानदार उद्घाटन की घोषणा की। झ्रष्छ। का लखनऊ में यह तीसरा और देश भर में 57वां एक्सक्लूसिव शोरूम है। इस उद्घाटन में हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक श्री घनश्याम ढोलकिया और किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी के निदेशक पराग शाह उपस्थित रहे। इस विशाल उद्घाटन को और जानदार बनाने के लिये किसना, हीरे के आभूषणों के निर्माण शुल्क पर 100% तक की छूट और सोने के आभूषणों के निर्माण शुल्क पर 20% तक की छूट दे रहा है। उपभोक्ताओं के जोश को और बढ़ाते हुए किसना ने अबकी बार आपके लिये शॉप एंड विन ए कार जैसे आकर्षक कैंपेन ऑफर किये हैं, जिसमें 100 से अधिक कारों में से जीतने का मौका दिया गया है। ग्राहक 20 हजार या इससे अधिक कीमत वाले डायमंड, प्लेटिनम या सॉलिटेयर ज्वेलरी या 50 हजार या इससे अधिक कीमत वाले गोल्ड ज्वेलरी खरीदकर इसमें भाग ले सकते हैं। उद्घाटन के अवसर पर, हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक, घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि अपनी समृद्ध संस्कृति और विशुद्धता के लिये प्रसिद्ध शहर, लखनऊ हमारे प्रीमियम आभूषण पेशकश के लिये एक आदर्श जगह है। हम अपने विश्वास, गुणवत्ता, और शिल्पकौशल को इस जीवंत शहर के लोगों तक पहुंचाने के लिये रोमांचित हैं। यह विस्तार हमारे लक्ष्य हर घर किशना के अनुरूप है, जहां हमारा लक्ष्य डायमंड ज्वेलरी के लिये हर महिला के सपने को साकार करते हुए भारत का तेजी से बढ़ता ज्वेलरी ब्रांड बनना है। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी के निदेशक पराग शाह ने कहा कि हम अपने विशुद्ध पसंद और जीवंतता के लिए विख्यात शहर लखनऊ में किसना के अनोखे शिल्प

कौशल को लाने के लिए उत्साहित हैं। लखनऊ में यह शोरूम हमारे गर्वान्वित सफर को प्रदर्शित करता है, जहां हर भारतीय के पास ऐसे आभूषण हैं, जो विश्वास, शिष्टता और सदाबहार सुंदरता का प्रतीक है। किसना के फ्रैंचाइज पार्टनर, श्री प्रतीक राय और उमर महमूद ने कहा कि नवाबों के शहर लखनऊ में एक शोरूम लॉन्च करने के लिए किसना के साथ साझेदारी करना हमें गर्वान्वित करता है। हम परंपरा के साथ आधुनिकता के मेल से तैयार बेहतरीन आभूषण पेश करने के लिए उत्साहित हैं। यह शोरूम हमारे बहुमूल्य उपभोक्ताओं के लिए अद्वितीय सुंदरता की पेशकश करता है। इस मौके पर समाज के लिये ब्रांड की अपनी प्रतिबद्धता के तहत उद्घाटन कार्यक्रम में पर्यावरण की सुरक्षा के लिये वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके साथ ही झ्रष्छ। द्वारा जरूरतमंदों के बीच भोजन का वितरण किया गया।

किशना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के बारे में–

किशना हरि कृष्णा ग्रुप का प्रमुख हीरा और सोने के आभूषण ब्रांड है, जिसे 2005 में लॉन्च किया गया। इस ब्रांड ने अब तक एक विशाल डिस्ट्रीब्युशन नेटवर्क स्थापित किया है। इसकी पहुंच भारत के 28 राज्यों में 3,000 से अधिक शॉप–इन–शॉप आउटलेट तक है। ब्रांड के पास अब देश भर में 57 एक्सक्लुसिव शोरूम हैं।

खदानों से बाजार तक हीरों की एथिकल सोर्सिंग के साथ, किशना, 10,000 से अधिक अद्वितीय डिजाइनों का एक बेजोड़ पोर्टफोलियो प्रदान करता है। झ्रष्छ। के उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला में अंगूठियां, झुमके, पेंडेंट, मंगलसूत्र, हार, चूड़ियाँ, कंगन, नाक पिन शामिल हैं, जिसमें 14KT और 18KT सोने के पुरुषों के आभूषण शामिल हैं सभी 100% प्रमाणित और BIS हॉलमार्क हैं। इसके अलावा कंपनी, हीरे के आभूषणों पर मेकिंग चार्ज सहित 90%बायबैक और 95% एक्सचेंज की सुविधा प्रदान करती है। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म एक ऐसा मंच है जहां खूबसूरती के साथ सुविधा मिलती है। आपके भरोसेमंद ऑनलाइन ब्रांड के रूप में, हम हीरे और सोने के आभूषणों के नये डिजाइन पेश करते हुए एक आसान खरीदारी अनुभव प्रदान करते हैं। प्रामाणिक और स्टाइलिश ज्वैलरी के लिये www. kisna. com पर विजिट करें।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।